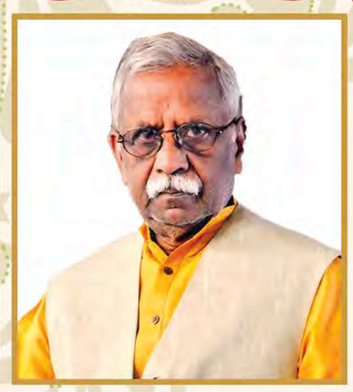

श्री कलाल लक्ष्मा गौड़

Shri Kalal Laxma Goud



पद्म श्री

Padma Shri



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

श्री कलाल लक्ष्मा गौड़

श्री कलाल लक्ष्मा गौड़ एक प्रसिद्ध चित्रकार, छपाई चित्रकार (प्रिंटमेकर) तथा ड्राफ्ट्समैन है। आप विभिन्न माध्यमों से अपनी इस कला का प्रदर्शन करते रहे हैं जिसमें ऐचिगं (उरेहना) गुआश, पैस्टल, शिल्पकला तथा शीशे पर चित्रकारी आदि शामिल है। आपको अपने उन पूर्ववर्ती चित्रों के लिए सबसे अधिक जाना जाता है जिसमें एक ग्रामीण परिवेश के रत्यात्मक चित्र प्रदर्शित किए गए हैं तथा आप अपनी ऐचिग्स तथा एक्वाटिन्ट्स की मौलिकता तथा गुणवत्ता के लिए भी प्रसिद्ध हैं।

2. आपका जन्म 21 अगस्त, 1940 को निजामपुर, जिला मेडक, तेलंगाना में हुआ था तथा आपने पेन्टिंग में अपना डिप्लोमा गवर्नमेन्ट कॉलेज ऑफ फाइन आर्ट्स एंड आर्किटेक्चर से पूरा किया। आपने 1963 से 1965 तक ललित कला संकाय महाराजा सायाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा से प्रोफेसर के.जी. सुब्रहमण्यम के अंतर्गत राज्य छात्रवृत्ति से भित्ति चित्र, चित्रकारी तथा चित्रांकन का अध्ययन किया।

3. आपने 1974 से 1989 तक दूरदर्शन केन्द्र, हैदराबाद में एक ग्राफिक डिजाइनर के रूप में कार्य किया। आपको हैदराबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा स्नातकोत्तर ललित कला कॉलेज स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया गया जिसे अब सरोजिनी नायडू स्कूल ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स, फाइन आर्ट्स एंड कम्यूनिकेशन कहा जाता है। आप इस स्कूल से डीन के तौर पर 2001 में सेवानिवृत्त हुए। 1975 में आपने ब्रैड फोर्ट ब्रिटिश प्रिंट बाइऐनिएल में भारतीय भागीदारी का आयोजन किया। आपने ग्रैफिक कन्स्ट, हैम्बर्ग जर्मनी में भी कॉपर ऐचिंग की शुरूवात की। 1977 में आपने संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की सहमति से सावो पोलो बाइएनियल में भारत का प्रतिनिधित्व किया। आपने भारत की स्वाधीनता के पचास वर्ष के स्मारक समारोह के लिए लीमा, पेरू में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की सहमति से समकालीन भारतीय कला पर राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय के संग्रहण के साथ इसका आयोजन किया।

4. आपने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों प्रदर्शनियों में भाग लिया है तथा विभिन्न एकल एवं समूह प्रदर्शनियों में प्रदर्शन किया है। आपका कार्य, अलकाजी विरासत, नई दिल्ली, मासोनोरी फुकोदा एवं ग्लेनबेर्रा कला संग्रह, हिमेजी, जापान, सलारजंग संग्रहालय, हैदराबाद, पीबॉडी ऐसेक्स संग्रहालय, सेलम, संयुक्त राज्य अमेरिका, एन जी एम ए, नई दिल्ली, विक्टोरिया एंड अलबर्ट संग्रहालय लदंन, दिल्ली कला संग्रहालय इत्यादि जैसे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संग्रहों का एक अभिन्न भाग है।

5. आपने राज्य एवं राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किए हैं। वर्ष 1962 तथा 1966 तथा लगातार अगले चार वर्षों अर्थात 1970 तक आपको ललित कला अकादमी, आंध्र प्रदेश की वार्षिक प्रदर्शनी में पुरस्कृत किया गया है। आपने हैदराबाद कला संस्था, आंध्र प्रदेश 1968 में रजत पदक तथा 1969 में स्वर्ण पदक के विजेता रहे हैं। वर्ष 1971 में आपने ललित कला अकादमी की वार्षिक प्रदर्शनी में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। आपने वर्ष 1971 में कला में उत्कृष्ट योगदान देने हेतु विश्व भारती विश्वविद्यालय, शान्ति निकेतन से अबानी पुरस्कार प्राप्त किया। प्रफुल्ल धनौकर संस्थान से आपने प्रफुल्ल धनौकर लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार तथा तेलंगाना राज्य से तेलंगाना राज्य पुरस्कार प्राप्त किया।

Shri Kalal Laxma Goud

Shri Kalal Laxma Goud is a renowned painter, printmaker and draughtsman. He works in a variety of mediums including etching, gouache, pastel, sculpture and glass painting. He is best known for his early drawings that depict eroticism in a rural context, and also for the originality and quality of his etchings and aquatints.

2. Born on August 21, 1940, in Nizampur, Medak district, Telangana, Shri Goud completed his diploma in Drawing and Painting in 1962, from the Government College of Fine Arts and Architecture in Hyderabad. He studied Mural Designing, Painting and Drawing with state scholarship under Prof. K.G. Subramanyan at Faculty of Fine Arts, Maharaja Sayajirao University of Baroda from 1963 to 1965.

3. Shri Goud worked as a Graphic Designer at Doordharshan Kendra; Hyderabad from 1974 to 1989.He was invited by the Hyderabad Central University for setting up Post Graduate Fine Arts College which is now known as Sarojini Naidu School of Performing Arts, Fine Arts & Communication. He retired as the Dean of the school in 2001. In 1975, he curated Indian Participation in Brad Fort British Print Biennial and also commissioned copper etchings for Grafik Kunst, Hamburg Germany. In 1977, he represented in Sao Paulo Biennial, Brazil in concurrence with the Ministry of Culture, Govt of India. He also curated the 'Contemporary Indian art' to commemorate 50 years of Indian Independence in Lima, Peru with the collection from National Gallery of Modern Art Delhi in concurrence with the Ministry of Culture, Govt. of India.

4. Shri Goud has participated in both national and international exhibitions, and has had numerous one man and group shows .His works are a part of national and international collection such as-Ebrahim Alkazi & Art Heritage, New Delh;. Masonori Fukuoka & Glenbarra Art Museum, Himeji, Japan; Salarjung Museum, Hyderabad; Peabody Essex Museum, Salem, USA;; NGMA, New Delhi;. Victoria & Albert Museum, London; Delhi Art Gallery, Delhi etc.

5. Shri Goud has been a recipient of a number of prestigious awards both at State and National level. In 1962 and 1966 and for the next 4 consecutive years till 1970, he was awarded at the annual exhibition of Lalit Kala Academy, Andhra Pradesh. He won Silver Medal in 1968 and a Gold medal in 1969 at the Hyderabad Art Society, Andhra Pradesh. In 1971 he got a Gold Medal at Annual Exhibition, Lalit Kala Academy, Andhra Pradesh;. Gagan Abani Puraskar from Vishwa Bharati University, Santiniketan in 1971 for outstanding contribution to art, the Life Time achievement Prafulla Dahanukar Award by the Prafulla Dahanukar Foundation and the Telangana State Award by the Telangana State.